खेती से संवारा बच्चो का भविष्य

सुभद्रा देवी

गांव: पनिहारवास, जिला: सीकर (राजस्थान)

मोबाइल: 09828392581

हौंसला हो तो महिलायें क्या नहीं कर सकती। सफल नवाचारी किसानों की कड़ी में आपकों रू-ब-रू करवा रहे है महिला कृषक सुभद्रा देवी से, जिन्होंने खेती में ना केवल अलग पहचान बनाई, बल्कि अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाकर उनका भविष्य भी संवारा। गौरतलब है कि यह महिला कृषक सालाना 6-7 लाख रूपए की आय कृषि से ले रही है। वह भी बगैर संरक्षित खेती को अपनाये।

अगर नापना चाहो मेरी उड़ान को, थोड़ा ऊंचा कर दो इस आसमान को। ऐसा ही हौसला मन में भरकर सफलता की उड़ान पर है महिला कृषक सुभद्रादेवी, जो परिवार के साथ खेती की जिम्मेदारी संभाले हुए है। साथ ही, खेती से 6-7 लाख रूपए की आय लेकर दूसरी महिला कृषकों के लिए प्ररेणा स्त्रोत बनी है। सीकर जिले के गांव पनिहारवास से ताल्लुक रखने वाली यह महिला कृषक साक्षर है। लेकिन, इस महिला कृषक के लड़के -लड़किया पढ़ाई में अपाना हुनर दिखा रहे है। पुत्र फिलिपींस से डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा है। वहीं, दो पुत्रियों में से एक बीएएमएस और दूसरी 12वीं कक्षा में अध्ययनरत है। गौरतलब है कि महिला कृषक के पति अुर्जनलाल सरकारी सेवा में है। इसलिए खेती-बाड़ी से जुड़ा सारी जिम्मेदारी इस महिला कृषक ने संभाली। अब परिणाम सबके सामने है। परिवार के पास 4 हैक्टेयर जमीन है। सिंचाई के लिए 3 ट्यूबवैल है। इस पर विद्युत मोटर लगी हुई है।

खेती की जिम्मेदारी संभालने के बाद धीरे-धीरे कृषि ज्ञान में बढ़ोत्तरी हुई। साथ ही, फसल उत्पादन तकनीक में बदलाव करने लगी। इससे कृषि लागत में कमी आई और मुनाफा बढ़ता गया। पहले 4 हैक्टेयर भूमि से घर खर्च निकलता था। उन्नत कृषि तकनीक अपनाने के बाद सालाना मुनाफा बढ़कर 6-7 लाख रूपए तक पहुंच चुका है। कृषि से हो रही आय से बच्चो को उच्च शिक्षित बनाने का सपना पूरा हो रहा है। गौरतलब है कि परम्परागत फसल में बाजरा, गेहूं, सरसों, जौ और ग्वार का उत्पादन यह कृषक महिला ले रही है।

बील का बगीचा

10 वर्ष पूर्व आय बढ़ाने के लिए 100 पौधे बील के लगाये थे। इस बगीचे से उत्पादन मिलना आरम्भ हो गया है। बगीचे की सिंचाई ड्रिप से कर रही हूं। बगीचे से 70-80 हजार रूपए शुद्ध आय हो रही है। बील के अलावा नीबूं, अनार के भी पौधे लगाये हुए है। उधर, पशुधन में मेरे पास 1 भैस और 1 गाय है। पशु अपशिष्ट का उपयोग कम्पोस्ट बनाने में करती हूँ।

सब्जी उत्पादन लाभकारी

सब्जी फसल में प्याज और गोभी का बडे पैमाने पर उत्पादन करती हूँ। 10 बीघा क्षेत्र में गोभी और 7 बीघा क्षेत्र में देसी मिर्च की बुवाई करती हूँ। 5 बीघा क्षेत्र में प्याज का उत्पादन ले रही हूँ। इसके अलावा मौसमी सब्जी फसल का उत्पादन लेती हूँ। सब्जी में सिंचाई की जरूरत को समय पर पूरा करने के लिए वर्ष 2012 में सोलर सिंचाई संयंत्र स्थापित करवाया है। साथ ही, मिनी फव्वारा और ड्रिप से सिंचाई कर रही हूँ। इससे फसल के उत्पादन के साथ गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। सब्जी उत्पादन से प्रति बीघा 35-40 हजार रूपए की आमदनी मिल जाती है।

गोभी से सवा लाख

गांव के दूसरे किसानों को बीजोत्पादन करते देख मैने भी एक दशक पूर्व प्याज का बीजोत्पादन करना प्रारंभ किया। बाद में एक निजी कंपनी के लिए गोभी का बीज तैयार करने लग गई। गोभी के बीजोत्पादन से अच्छा लाभ मिला। प्याज के बीज को क्षेत्रीय काश्तकारों को बिक्री करना पड़ता है। वहीं, गोभी का बीज करार के तहत एक निजी कंपनी 1600 रूपए प्रति किलोग्राम के भाव से खरीद लेती है। इससे एक पक्का बीघा क्षेत्र में लाख से सवा लाख रूपए की आय हो जाती है।

साभार हलधर टाइम्स। वर्ष 12। अंक 34। 26 जून-2 जुलाई 2017